

मुनिराज जी तपधारी पहाडों में भक्ति थे किनी लिरिक्स



मुनिराज जी तपधारी,
पहाडों में भक्ति थे किनी,
शमशेर गिरिजी तपधारी,
पहाडों में भक्ति थे किनी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे अमरकोट में जन्म आपरो,
अमरकोट में जन्म आपरो,
सखीया मंगल गावे भारी,
राजा रामसिंह पिता आपरा,
माता रूपादे माँ थोरी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे अमरकोट सु आप पधारीया,
अमरकोट सु आप पधारीया,
आया आबूगढ रे माई,
अमरकोट सु आप पधारीया,
तपस्या किनी हद भारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे सिद्ध तपस्वी संत कहाया,
सिद्ध तपस्वी संत कहाया,
मुनिराज जी तपधारी,
सिद्ध तपस्वी संत कहाया,
कठोर तपस्या किनी भारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे वास्थानजी में लिनी समाधि।
वास्थानजी में लिनी समाधि,
पौष मास सातम् भारी,
वास्थानजी में मेलो भरीजे,
दर्शन आवे नर नारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

हर साल थोरो मेलो भरीजे,
हर साल थोरो मेलो भरीजे,
छठ सातम् आठम् भारी,
हर साल थोरो मेलो भरीजे,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना मुनिराज जी तपधारी पहाडों में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मुनिराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे बग गाँव में मेलो भरीजे,
केर गाँव में मेलो भरीजे,
जिला सिरोही है हद भारी,
वास्थानजी मे मेलो भरीजे,
मुनिराज जी रो हद भारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे भक्त हजारो आवे द्वार पर,
भक्त हजारो आवे द्वार पर,
ले आशा मन में थोरी,
भक्त हजारो आवे द्वार पर,
ले मन में आशा भारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे लाखो संत आवे आपरे,
लाखो संत आवे आपरे,
धुणी रमावे हद भारी,
लाखो संत आवे आपरे,
धुणी रमावे हद भारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे मुनिराजजी रा परचा पड रया,
मुनिराज जी रा परचा पड रया,
ज्योत जागे है हद भारी,
मुनिराज जी रा परचा पड रया,
ज्योत जागे है हद भारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा,
अरे “मनीष सीरवी” रचना बनायी,
मनीष सीरवी रचना बनायी,
आयो शरने मै थोरी,
जुग जुग शरनो मे राखो बापजी,
आप बडा हो उपकारी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

अरे बग गाँव सु बालक आपरे,
बग गाँव सु बालक आपरे,
‘चौधरी प्रकाश’ गावे भारी,
बग गाँव सु बालक आपरे,
चौधरी प्रकाश गावे भारी,
मै तो शरणे आपरी आयो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपकी मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मुनिराज जी तपधारी,
पहाडों में भक्ति थे किनी,
शमशेर गिरिजी तपधारी,
पहाडों में भक्ति थे किनी,
मुनिराज जी तपधारी रे ए हा।bd।

गायक – प्रकाश चौधरी बग सिरौही।
लेखक / प्रेषक – मनीष सीरवी।
(रायपुर जिला पाली राजस्थान)
9640557818